नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-जर्मनी संबंधों में नया अध्याय

अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच हुई शिखर वार्ता ने भारत-जर्मनी संबंधों को नई ऐतिहासिक ऊंचाई प्रदान की. दोनों नेताओं ने आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को 'असीमित' बनाने का संकल्प लिया, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में एक मजबूत संदेश है. यह वार्ता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगी, बल्कि दोनों देशों के लिए साझा भविष्य की नींव रखेगी. गुजरात की धरती पर हुई यह मुलाकात, चांसलर मर्ज की पदभार ग्रहण के बाद पहली एशिया यात्रा होने के नाते, भारत के वैश्विक कद को रेखांकित करती है. व्यापार और निवेश के क्षेत्र में यह शिखर सम्मेलन मील का पत्थर साबित हुआ.

भारत-जर्मनी द्विपक्षीय व्यापार ने अब तक के उच्चतम स्तर 50 बिलियन डॉलर को पार कर लिया है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं की मजबूती दर्शाता है. अहमदाबाद में आयोजित भारत-जर्मनी सीईओ फोरम ने सेमीकंडक्टर, एआई और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश के द्वार खोले. दोनों नेताओं ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने पर बल दिया, जिससे चांसलर मर्ज के संकेतानुसार यह जल्द निष्कर्ष पर पहुंच सकता है. ये कदम भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत बनाएंगे और रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे. इसी के साथ रक्षा सहयोग ने रणनीतिक आयाम भी जोड़ा. 'डिफेंस इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन रोडमैप' पर हस्ताक्षर से रक्षा उपकरणों का सह-विकास और सह-उत्पादन संभव हुआ. 2,500 करोड़ रुपये के सौदों और छह घातक पनडुब्बियों की खरीद जैसे प्रोजेक्ट्स पर चर्चा आगे बढ़ी, जो भारत की आत्मनिर्भरता को जर्मन तकनीक से समृद्ध करेगी. यह साझेदारी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करेगी, साथ ही दोनों देशों की रक्षा उद्योग क्षमताओं को सशक्त बनाएगी.

हरित ऊर्जा और सस्टेनेबिलिटी पर समझौते भविष्योन्मुखी हैं. 'मेगा ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट' को 'गेम चेंजर' करार दिया गया, जो भारत के नेट जीरो लक्ष्य को गति देगा. नवीकरणीय ऊर्जा के लिए 'भारत-जर्मनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना और 'ग्रीन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पार्टनरशिप' के तहत 1.24 बिलियन यूरो की फंडिंग पर्यावरणीय लक्ष्यों को साकार करेगी. ये पहल जलवायु परिवर्तन से जूझते विश्व के लिए मॉडल प्रस्तुत करेंगी. कौशल विकास और मानव संसाधन क्षेत्र में भी प्रगति हुई है. स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों की जर्मनी में भर्ती के लिए संयुक्त घोषणा पत्र हस्ताक्षरित हुआ. उच्च शिक्षा के नए रोडमैप से संस्थागत साझेदारियां मजबूत होंगी, जो युवाओं को वैश्विक अवसर प्रदान करेगी. इसके अलावा, सेमीकंडक्टर-टेलीकॉम सहयोग और गुजरात के लोथल में 'नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स' के विकास के लिए जर्मन सहायता सांस्कृतिक-आर्थिक सेतु बनेगी.

यह शिखर वार्ता भारत-जर्मनी संबंधों को बहुआयामी मजबूती देती है. आर्थिक वृद्धि, रक्षा सुरक्षा, हरित संक्रमण और मानव पूंजी विकास के इन समझौतों से दोनों राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे. प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और चांसलर मर्ज की प्रतिबद्धता ने 'असीमित' साझेदारी को वास्तविकता प्रदान की. भारत के लिए यह वैश्विक साझेदार के रूप में उभरने का प्रमाण है, जो समृद्धि और स्थिरता का प्रतीक बनेगा.

मां वाग्देवी की मूर्ति की पुन :स्थापना कब तक ?

सचिन दवे

मध्यप्रदेश के धार नगर में स्थित भोजशाला केवल एक ऐतिहासिक इमारत नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति और अस्मिता का जीवंत प्रतीक है. यह वही स्थल है जिसे परमार वंश के प्रतापी शासक राजा भोज ने विद्या, शास्त्र और साधना का केंद्र बनाया था. मान्यता है कि यह स्थान माँ वाग्देवी (सरस्वती) को समर्पित था, जहाँ विद्वानों की गोष्ठियाँ होती थीं और ज्ञान की अखंड साधना चलती थी. किंतु आज वही भोजशाला अपने पुनरुत्थान की बाट जोह रही है और माँ वाग्देवी की मूर्ति की पुन:स्थापना का प्रश्न समाज और शासन दोनों के समक्ष खड़ा है—आख़िर यह इंतजार कब तक? इतिहास के पन्ने गवाह हैं कि भोजशाला का स्वरूप समय के साथ बदला गया.

आक्रमणों और राजनीतिक उलटफेरों के कारण इसकी मूल पहचान को आघात पहुँचा. स्थापत्य के अवशेष, शिलालेख और विद्या से जुड़े संकेत आज भी यह प्रमाणित करते हैं कि यह स्थल मूलत: एक सरस्वती मंदिर और शिक्षण केंद्र रहा है. बावजूद इसके, स्वतंत्र भारत में भी इस धरोहर के साथ न्याय नहीं हो सका. वर्षों से यह विवादों, अदालती प्रक्रियाओं और प्रशासनिक असमंजस में उलझी हुई है. माँ वाग्देवी की मूर्ति की पुन:स्थापना केवल एक धार्मिक मांग नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का विषय है. सरस्वती भारतीय परंपरा में ज्ञान, विवेक और सृजन की अधिष्ठात्री देवी हैं. उनकी मूर्ति की स्थापना का अर्थ है—भारत की उस परंपरा को पुन: प्रतिष्ठित करना, जिसमें शिक्षा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था.

> अंतत:, भोजशाला का पुनरुत्थान केवल एक इमारत या मूर्ति की पुन :स्थापना नहीं होगा, बल्कि यह उस भारत की पुनर्स्मृति होगी, जो ज्ञान को शक्ति मानता था. माँ वाग्देवी की पुन :प्रतिष्ठा के साथ ही यह स्थल फिर से विद्या, शोध और सांस्कृतिक गौरव का केंद्र बन सकता है. अब निर्णय हमारे हाथ में है—क्या हम प्रतीक्षा को और लंबा करेंगे, या इतिहास के साथ न्याय करते हुए एक निर्णायक कदम उठाएंगे. अब समय आ गया है कि समाज, बुद्धिजीवी वर्ग और शासन मिलकर संवेदनशील, न्यायपूर्ण और ऐतिहासिक सत्य पर आधारित निर्णय लें. भोजशाला का पुनरुत्थान और माँ वाग्देवी की मूर्ति की पुन :स्थापना केवल अतीत की पुनर्स्थापना नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक आत्मविश्वास की पुन :घोषणा होगी.

यह यह कदम किसी समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई और सांस्कृतिक निरंतरता के पक्ष में होगा. आज आवश्यकता है कि भोजशाला को संकीर्ण राजनीति से ऊपर उठाकर देखा जाए. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, इतिहासकारों और विद्वानों के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि इस स्थल के मूल स्वरूप की उपेक्षा हुई है. यदि अन्य सभ्यताएँ अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेज सकती हैं, तो भारत क्यों नहीं? माँ वाग्देवी की मूर्ति की पुन:स्थापना से न केवल भोजशाला की गरिमा लौटेगी, बल्कि धार पुन: ज्ञान और संस्कृति के केंद्र के रूप में स्थापित हो सकेगा. प्रश्न यह नहीं है कि यह संभव है या नहीं, प्रश्न यह है कि इच्छाशक्ति कब जागेगी. क्या हम आने वाली पीढ़ियों को केवल विवाद सौंपेंगे, या उन्हें गौरवशाली विरासत से परिचित कराएंगे? भोजशाला आज भी मौन होकर पूछ रही है- क्या माँ वाग्देवी का अपने ही धाम में लौटना इतना कठिन है? इसके साथ ही यह भी समझना आवश्यक है कि भोजशाला का प्रश्न केवल धार या मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा हुआ विषय है.

भारत की सभ्यता ने सदैव ज्ञान, संवाद और सह-अस्तित्व को महत्व दिया है. राजा भोज जैसे शासक इसका उदाहरण थे, जिन्होंने शासन के साथ-साथ साहित्य, व्याकरण, आयुर्वेद, वास्तु और दर्शन को भी समृद्ध किया. भोजशाला उसी बौद्धिक परंपरा की मूर्त अभिव्यक्ति थी, जहाँ माँ वाग्देवी की आराधना के माध्यम से विद्या को जीवन का आधार माना गया. दुर्भाग्यवश, औपनिवेशिक मानसिकता और स्वतंत्रता के बाद की तुष्टिकरण नीति ने ऐसे अनेक स्थलों को विवादों में उलझा दिया. परिणामस्वरूप, ऐतिहासिक तथ्यों के बजाय राजनीतिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई. भोजशाला भी इसी उपेक्षा का शिकार बनी.

वर्षों से सीमित पूजा, प्रतिबंधित प्रवेश और अनिर्णय की स्थिति ने इस धरोहर को जर्जर कर दिया है. यह स्थिति न तो लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है और न ही सांस्कृतिक न्याय के. माँ वाग्देवी की मूर्ति की पुन:स्थापना से सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा. जब इतिहास को उसके वास्तविक स्वरूप में स्वीकार किया जाता है, तब समाज में आत्मविश्वास और संतुलन आता है. इससे न तो किसी का अधिकार छिनता है और न ही किसी की आस्था को ठेस पहुँचती है, बल्कि एक दबे हुए सत्य को सम्मान मिलता है. संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं. आज देशभर में अपनी विरासत को पुन: खोजने और संजोने की चेतना जागृत हो रही है.

दिल्ली डायरी

पश्चिम बंगाल में सत्ता बचाने व सत्ता पाने की जंग जारी

प्रवेश कुमार मिश्र

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा में अब 100 दिन से भी कम समय बचा है लेकिन टीएमसी और भाजपा के नेताओं के बीच सत्ता बचाने व पाने के लिए जुबानी जंग जारी है. दिल्ली से लेकर कलकत्ता के सड़कों पर कथित भ्रष्टाचार और कथित केन्द्रीय एजेंसियों के दुरूपयोग का आरोप लगाते हुए दोनों पक्षों के नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ मोर्चाबंदी आरंभ कर दी है. ईडी द्वारा आई पैक के दफ्तर पर रेड के बाद आरंभ वाकयुद्ध अब व्यक्तिगत आक्षेप की ओर बढ़ रहा है. जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले दिनों ईडी अधिकारियों से सीधे भिड़ंत कर अपनी आक्रामक राजनीति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर भाजपाई नेताओं द्वारा राज्य की टीएमसी सरकार के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर कलकत्ता की सड़कों पर मार्च निकाला जा रहा है. इस बीच ईडी विवाद कोर्ट के दरवाजे तक भी पहुंच गया है.

कर्नाटक कांग्रेस में जारी अंतर्कलह को सुलझाने का प्रयास

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जारी अंतर्कलह को सुलझाने के लिए दिल्ली में बैठे कांग्रेसी रणनीतिकारों ने दो तरफा प्रयास आरंभ कर दिया है. इस प्रकरण को सुलझाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने एक रणनीतिक योजना के तहत प्रयास तेज कर दिया है. चर्चा है कि सत्ता समन्वय को व्यवस्थित करने के लिए पार्टी तीसरे विकल्प यानी किसी तीसरे नाम को आगे कर सकती है. कहा जा रहा है कि राहुल गांधी जल्द ही कर्नाटक दौरा कर मामले को सुलझाने का अंतिम प्रयास करेंगे.

पश्चिम बंगाल में अपनी खोई जमीन को पाने में जुटे कांग्रेसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तीसरी ताकत के तौर पर मैदान में उतरने को लेकर कांग्रेसी रणनीतिकार दिल्ली में मंथन कर रहे हैं. पिछले चुनाव में वामदलों के साथ समझौता करने के बाद भी पार्टी के सभी उम्मीदवार हार गए थे इसलिए इस बार पार्टी रणनीतिकार या तो टीएमसी के साथ समझौता करने के पक्ष में हैं या अकेले मैदान में उतरने की तैयारी हो रही है. चर्चा है कि ममता बनर्जी से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने व्यक्तिगत तौर पर बातचीत की है लेकिन कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के व्यवहार से ममता बनर्जी नाराज हैं इसलिए वे कम से कम सीट देने की बात अनौपचारिक चर्चा में कर रही हैं जिसके कारण बातचीत आगे बढ़ नहीं पा रहा है.ऐसे में पार्टी रणनीतिकारों ने अपने दम पर आगे बढ़ने की रणनीति बनाई है. इसको लेकर दिल्ली में कई दौर की बैठक हो चुकी है.

बिहार में चौकन्नी हुई कांग्रेस

बिहार विधानसभा में कुल छह विधायकों के ताकत के साथ खड़ी कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगने की संभावना बढ़ गई है. चर्चा है कि छह में से चार विधायक सत्ताधारी दल के संपर्क में चले गए हैं. जिस तरह से जदयू रणनीतिकार अपनी ताकत बढ़ाने के लिए कांग्रेसी विधायकों को अपने पक्ष में लाने की तैयारी कर रहे हैं उससे साफ है कि मकर संक्रांति के बाद बिहार में विधायकों का पाला बदल का बड़ा खेल हो सकता है. संभवत: इसकी आहट भांपते हुए कांग्रेसी रणनीतिकारों ने अपने विधायकों को दिल्ली बुलाकर राहुल गांधी के साथ व्यक्तिगत बैठक कराने की रणनीति बनाई है.

तमिलनाडु व पुडुचेरी में ताकत बढ़ाने में भाजपाई

भाजपाई रणनीतिकार इन दिनों दक्षिण भारत में अपने जनाधार को बढ़ाने के लिए बहुस्तरीय रणनीति के साथ आगे बढ रहे हैं. पिछले कुछ दिनों में गृहमंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु का कई राजनीतिक दौरा करते हुए न सिर्फ पार्टी की ताकत को बढ़ाने के लिए कई क्षेत्रीय दलों के नेताओं के साथ बातचीत कर भविष्य में गठबंधन का प्रस्ताव रखा है बल्कि स्थानीय मतदाताओं पर प्रभाव रखने वाले समाजसेवी पृष्ठभूमि के लोगों से भी विस्तृत विमर्श किया है. इतना ही नहीं पुडुचेरी के लिए भी भाजपा ने स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर ठोस रणनीति बनाई है. इस संबंध में पिछले दिनों एक तमिलनाडु व पुडुचेरी के कई प्रभावशाली नेता व समाजसेवी दिल्ली में भी बैठक कर चुके हैं.

महापालिका चुनाव में वादे ही वादे

महापालिका चुनाव में नेताओं और पार्टियों ने लुभावने आश्वासन देने में कोई कसर बाकी नहीं रखी. बीजेपी व एकनाथ शिंदे की महायुति ने अपना वचननामा रविवार को जारी किया. मुंबई महापालिका का चुनाव विशेष महत्व रखता है, इसलिए गारगाई परियोजना शीघ्र पूरी कर मुंबई वासियों को 24 घंटे शुद्ध पेयजल आपूर्ति का वादा किया गया. मुंबई के सार्वजनिक अस्पतालों को एम्स के समान आधुनिक रूप देकर हेल्थ कार्ड द्वारा उनके स्वास्थ्य की जानकारी रिकॉर्ड करने का कार्यक्रम भी महायुति ने घोषित किया. इसके अलावा वृद्धों की प्रतिवर्ष पूरे शरीर की जांच, वार्ड-वार्ड में डायलिसिस सुविधा, गड्ढे मुक्त सड़कें जैसे आश्वासन दिए गए. अन्य पार्टियां भी आश्वासन देने में पीछे नहीं रहीं. बीजेपी ने घोषणापत्र में नागपुर को देश की नंबर वन सिटी बनाने का संकल्प व्यक्त किया और 500 वर्गफुट के घरों को करमुक्त करने की बात कही है. मेट्रो रेल विस्तार का वादा किया है. शिवसेना (उद्धव), मनसे व राकांपा (शरद पवार) ने महिलाओं व युवकों को 10 रुपये में भोजन-नाश्ता, 700 वर्गफुट तक घरों का टैक्स माफ, 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त, बेस्ट बस के किराए में कटौती, प्रदूषण नियंत्रण का वादा किया.

शिवसेना (उद्धव), मनसे व राकांपा (शरद पवार) ने महिलाओं व युवकों को 10 रुपये में भोजन-नाश्ता, 700 वर्गफुट तक घरों का टैक्स माफ, 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त, बेस्ट बस के किराए में कटौती, प्रदूषण नियंत्रण का वादा किया.

उद्धव ठाकरे की शिवसेना इतने वर्षों तक मुंबई महापालिका में सत्तारूढ़ रही, तब उसने यह सब क्यों नहीं किया? पुणे में अजीत पवार ने गड्ढा मुक्त सड़कों व प्रदूषण मुक्त जीवन का वादा किया. अनेक वर्षों तक निकाय चुनाव नहीं होने और प्रशासक राज रहने से विकास पिछड़ गया. पार्टियां बड़ी-बड़ी बातें कर रही हैं, लेकिन देखना होगा कि चुनाव के बाद उनका व्यवहार कैसा रहता है? महापालिका चुनाव पानी, बिजली, सड़क, स्वच्छता जैसे स्थानीय मुद्दों पर होना चाहिए, जो राज्य के अन्य शहरों में हो रहा है, लेकिन मुंबई में भाषा और मराठी अस्मिता के 2 मुद्दे ही प्रमुख रूप से उभर रहे हैं.

निशानेबाज

डोभाल नहीं करते मोबाइल इस्तेमाल भारत के जेम्स बॉन्ड का यह हाल

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अत्यंत आश्चर्य की बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इंटरनेट और मोबाइल से परहेज करते हैं. वह इनकाबहुत ही कम इस्तेमाल करते हैं. यदि ऐसी बात है तो वह देश की सुरक्षा से संबंधित जरूरी सूचनाएं कैसे हासिल करते होंगे? उनका कम्युनिकेशन कैसे होता होगा ? वे प्रधानमंत्री व गृहमंत्री से कैसे संपर्क करते होंगे?'

हमने कहा, 'हर बात का खुलासा नहीं किया जा सकता. डोभाल ने बताया कि बातचीत करने के ऐसे दूसरे भी तरीके होते हैं, जिनके बारे में आम लोगों को जानकारी नहीं होती. जब विदेश में किसी से संपर्क करना हो तभी वह फोन या इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं. डोभाल को भारत का स्पाई मास्टर या इंडियन जेम्स बॉन्ड कहा जाता है. आपने जेम्स बॉन्ड या 007 की फिल्मों में देखा होगा कि उस ब्रिटिश जासूस के पास अलग-अलग किस्म की आश्चर्यजनक डिवाइस होती हैं. ऐसा ही कुछ डोभाल के पास भी होगा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यह भी संभव है कि

डोभाल मानसिक शक्ति से संवाद कर लेते होंगे जिसे टेलीपैथी कहा जाता है. द्रौपदी ने कौरवों की सभा में चीरहरण के समय इसी टेलीपैथी से द्वारिका में मौजूद कृष्ण भगवान को पुकारा था तो उन्होंने तुरंत वस्त्रावतार लेकर द्रौपदी की लाज बचाई थी. जब सीता स्वयंवर के समय राम ने शिव का धनुष तोड़ा तो परशुराम को तुरंत पता लग गया और वह पल भर में हजारों मील दूर से मिथिला आ पहुंचे थे. डोभाल के पास भी ऐसी ही कोई शक्ति होगी क्योंकि मोदी हैं तो मुमकिन है.'

हमने कहा, 'आपको वह समय भी याद होगा जब लैंडलाइन फोन भी इने-गिने लोगों के घर में रहा करता था. उसे हासिल करने के लिए कई वर्ष वेटिंग लिस्ट में रहना पड़ता था. टेलीफोन एडवाइजरी कमेटी की सिफारिश पर मुश्किल से कनेक्शन मिलता था. ट्रंक कॉल लगाओ तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी. फिर पेजर आया. 1996 के आसपास मोबाइल फोन आया. तब नोकिया के बड़े-बड़े मोबाइल हुआ करते थे. कॉल रिसीव करने और रोमिंग पर भी चार्ज लगा करता था. आज स्मार्टफोन में सारी दुनिया समाई हुई है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, डोभाल विलक्षण प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं. उनका दिमाग इतना तेज है कि इंटरनेट को मात देता है. वह मोबाइल से चिपके रहकर अपना समय बर्बाद नहीं करते.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12141 - डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. रोमांचकारी 2. संपूर्ण जाति का एक राग, रणथम्भोरगढ़ के एक अत्यंत वीर चौहान राजा 3. कल-सब्जी आदि का निचोड़ा हुआ अंश 4. घर के बीच का आंगन, दरवाजे के पास का कोठा (सं.) 5. गणना करने वाला 8. छोटा कीड़ा, (कीड़ा के साथ प्रयुक्त) 10. पूजापाठ, व्रत-उपवास 13. एक प्रकार का हास्य-रस प्रधान रूपक, हंसी दिल्लगी 14. एक ऋषि का नाम जो महाक्रोधी थे 15. जीवनी शक्ति, बल 16. घर्षण, हल्के घर्षण से उत्पन्न चिन्ह 17. घमंड, गर्व, मान, उदंडता, अहंकार (सं.) 19. शीघ्रता, शीघ्र

बाएं से दाएं

1. फौलाद (सं.) 4. उन्नति करना, आगे की ओर बढ़ना 6. मसाले आदि लगाकर सुरक्षित किया गया शव 7. ज्यामिति में 90 अंश का कोण 9. काम में पड़ने वाली अड़चन, बाधा (उर्दू) 11. कोठा, लिखने में अंकों-शब्दों आदि को घेरने में व्यवहृत चिन्हों का जोड़ा जैसे () आदि 12. घी या तेल में पकी हुई बेसन पीठी की बरी या बट्टी, बड़ी 14. कठिन 15. ऊंचाई पर 17. श्रेणी, वर्ग, पद (उर्दू) 18. पति, प्रेमी 20. एक राक्षसी जिसका वध श्रीरामचंद्र ने किया था

Solution 12140

न	स	वा	र	■	क	मा	ल
ख	ब	र	■	त	ल	वा	र
क्ष	■	दा	ह	क	■	■	नि
त	पि	त	■	रा	ह	त	■
■	■	■	प	र	वा	ह	■
न	सी	ह	त	■	■	ल	स
सा	ध	■	वा	सी	■	का	ली
ना	■	पु	र	ना	री	■	का

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भवन संबंधी विवाद का सामना करना पड़ेगा, व्यर्थ वाद विवाद से मतभेद बढ़ेगा, वर्ष के मध्य में रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होगी, राज सम्मान एवं मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापार में प्रगति होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख प्राप्त होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मनोबल में वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक कार्योंमें सफलता प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुंदर, हंसमुख, मिलनसार होगा, चंचल एवं बुद्धिमान होगा. विद्या में रूचि रहेगी, माता पिता का भक्त होगा. धार्मिक कार्यों में आस्था रहेगी, यात्रा प्रवास का शौकीन होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

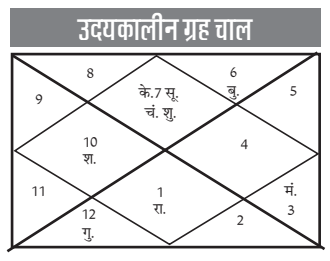

पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2082 माघ कृष्ण एकादशी बुधवासरे शाम 6/0, अनुराधा नक्षत्रे रात 3/31, गण्ड योगे रात 8/50, बालव करणे सू.उ. 6/43, सू.अ. 5/17, चन्द्रचार वृश्चिक, पर्व- षट्तिला एकादशी व्रत, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण एकादशी को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, रूई, कपास, सूती वस्त्र, खली, बिनौला, अरंडी, तिल, घी में मंदी होगी. गेहूं, जौ, चना, गुड, खांड, जायफल आदि में तेजी होगी. भाग्यांक 2786 है.

मेष- आत्मविश्वास से बात रखें, सबका सहयोग मिलेगा. युवा प्रतियोगी परीक्षा में सफल रहेंगे. किसी अतिथि का वृश्चिकमन होगा, कार्यों में सफलता मिलेगी.

वृषभ- काम के संबंध में अनुकूल आश्वासन मिलेगें, प्रापर्टी संबंधी मामले उलझनें से चिंता बढ़ेगी, आर्थिक क्षेत्र में दूर जा रहे व्यक्ति से शुभ समाचार मिलेगा.

मिथुन- अनुभव की कमी से सही फैसला लेने में नाकाम रहेंगे, प्रभावशाली लोगों से संपर्कों का लाभ मिलेगा. अनजानी आशंका से चिंता रहेगी, संयम रखें.

कर्क- व्यर्थ के कामों में समय बर्बाद होगा, नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी. यदि किसी नवीन कार्य के प्रति प्रयासरत् हैं तो सफलता मिलेगी. संयम रखें.

सिंह- राजकीय मामलों की अनदेखी से समस्या हो सकती है, भूमि भवन और वाहन खरीदने का मन बनेगा, आशातीत सफलता प्राप्त होगी. सतर्कता वांछनीय है.

कन्या- बिना मांगे दूसरों को सलाह देना भारी पड़ सकता है. आय व्यय में संतुलन बनाकर चलें. निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, दायित्वों की पूर्ति होगी.

तुला- लंबित योजनाएं फिर से शुरू करने का समय है, अधिकारियों से मेल जोल का लाभ होगा. शारीरिक एवं मानसिक सुख रहेगा. यात्रा प्रवास आदि का योग है.

वृश्चिक- कार्ययोजना में बदलाव कर इच्छित सफलता हासिल कर सकते हैं. वित्तीय मामले हल होंगे, सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. पारिवारिक सुख रहेगा.

धनु- अनावश्यक खर्च करने से वित्तीय परेशानी हो सकती है, विवाद पक्ष में हल होगा. धन, पद एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, मान सम्मान प्राप्त होगा.

मकर- अटके काम पूरे होंगे, कार्य की अधिकता से परिजनों पर ध्यान नहीं दे पायेंगे. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करें, मांगलिक कार्यों पर खर्च होगा.

कुम्भ- मित्रों के साथ घूमने का कार्य बनेगा, युवा कैरियर को लेकर चिंतित रहेंगे, आर्थिक क्षेत्र में किसी तरह का निर्णय शीघ्रता में न लें, व्यवसायिक संबंधों में लाभ होगा.

मीन- दिखावे के चक्कर में कर्ज लेना पड़ सकता है, मित्रों से टकराव संभव है. यात्रा देशाटन तथा व्यवसायिक कार्यों में सफलता मिलेगी, विवाद को टालें.

SUDOKU 7273

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7272

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5